चित्रात्मक आलेख -हिंदी

कक्षा:6

नादान दोस्त

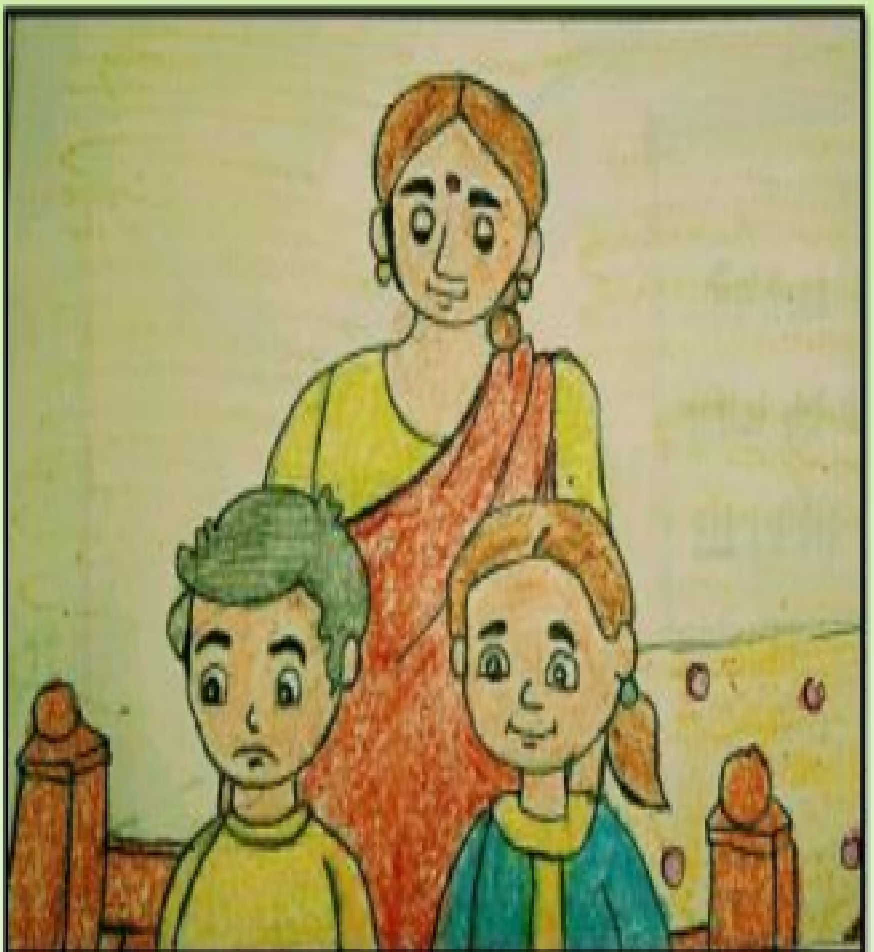

माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल

Affiliated to CBSE Schools

उद्घोषणा

इस चित्रात्मक आलेख का किसी भी धर्म ,संप्रदाय ,जीवित या मृत व्यक्ति से कोई संबंध नहीं है।

इसके सभी पात्र और घटनाएँ काल्पनिक हैं ।

इस चित्रात्मक आलेख का उद्देश्य पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षित करते हुए प्रकृति व जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील बनाना है।

अनुक्रमणिका

1. प्रस्तावना
2. आभार
3. कथा शृंखला
4. मुख्य पात्र
5. अधिगम परिणाम
6. चित्रात्मक आलेख
7. शब्दार्थ
8. बूझो तो जाने (पहेलियाँ)
9. वर्ग पहेली
10. प्रश्न- अभ्यास
11. उत्तर पत्रक
12. संदर्भ पुस्तक

प्रस्तावना

- प्रस्तुत पाठ' नादान दोस्त ' 'प्रेमचंद' द्वारा रचित कहानी है।
- कहानी में बाल मनोभावों का अत्यंत सुंदर चित्रण किया गया है ।
- पाठ के माध्यम से विद्यार्थी चिड़िया द्वारा घोंसला बनाने और अंडों के बारे में जानेंगे।
- यह कहानी नादानी से जुड़ी है। नादानी का मतलब है कोई ऐसा काम जिसको हम बिना जाने करते हैं और जिसके परिणाम के बारे में हमें कुछ भी पता नहीं होता है ।
- पाठ के माध्यम से प्रेमचंद ने यह सलाह दी है कि नादानी में भलाई के लिए किया गया कार्य भी हानिकारक हो सकता है। हमें जब किसी विषय पर पूरी जानकारी ना हो तब तक उस कार्य को नहीं करना चाहिए। किसी भी कार्य को करने से पूर्व बड़ों या अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

आभार

- यह चित्रात्मक आलेख माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, जयपुर के हिंदी विभाग के सतत प्रयासों की रचनात्मक प्रस्तुति है, जिसके लिए हम विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहेंगे विद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुनीता वशिष्ठ को जिन्होंने हमें यह मंच दिया जिसके द्वारा हम अपनी प्रतिभा को प्रकट कर सकें। साथ ही हम आभार प्रकट करते हैं श्रीमान संदीप सेठी (शिक्षा निदेशक एम. एम. एम .एस .म्यज़िक ट्रस्ट) का जिन्होंने हमें इस चित्रात्मक आलेख का विचार प्रदान किया, जिसे हमने आगे बढ़ाया।

अवधारणा, कथा और संवाद लेखन	श्रीमती सारिका मुद्गल श्रीमती शक्ति माथुर श्रीमती शिल्पा माहेश्वरी श्रीमती अल्पना मालपानी
कला विभाग	आराध्या सोनी, शांभवी, ईशिका खंडेलवाल
संगणक विभाग	श्रीमती मीनाक्षी पाराशर
शैक्षिक सलाहकार	श्रीमती नेहा शर्मा
भाषा संशोधक	श्रीमती नेहा शर्मा

कथा शृंखला
अंडों के बारे में बच्चों के मन में किस तरह के सवाल उठते हैं?
बच्चों ने अंडों के बारे में क्या-क्या अनुमान लगाए?
बच्चों ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी?
नादान दोस्त

मुख्य पात्र:-
केशव (उम्र 10 वर्ष)
(श्यामा का भाई)
श्यामा (उम्र 8 वर्ष)
(केशव की बहन)
माँ (उम्र 30 वर्ष)
(केशव व श्यामा की माँ)

अधिगम प्रतिफल

1. विद्‌यार्थी नैतिक मूल्यों के बारे में सकारात्मक सोच विकसित करके जीवन में अपनाएँगे।
2. किसी भी कार्य को करने से पहले पूरी तरह से यह जान लेंगे कि वे जो करने जा रहे हैं, वह सही है या नहीं।
3. माता-पिता द्‌वारा बच्चों को दी जाने वाली सीख के महत्व को समझेंगे।
4. विद्‌यार्थियों में प्रकृति व जीव संरक्षण की भावना का विकास होगा।
5. जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता का विकास।

केशव के घर के कार्निस पर चिड़िया ने घोंसला बना दिया था जिसे बच्चे सुबह उठते ही आकर देखते हैं और एक दूसरे से प्रश्न करते हैं।

.

दोनों बच्चे आपस में बात करते हुए
क्यों भैया, बच्चे निकलकर फुर्र से उड़ जाएँगे?
नहीं रे पगली, पहले पर निकलेंगे । बगैर परों के बेचारे कैसे उड़ेंगे?
बच्चों को क्या खिलाएगी बेचारी चिड़िया?
पता नहीं।
भैया! अंडों में से बच्चे निकल आएँगे तो बेचारी चिड़िया इतना अनाज कहाँ से लाएगी?
ओ हो! तब तो बच्चे भूख से मर जाएँगे।
क्यों ना कार्निस पर थोड़ा अनाज रखा जाए?

अरे वाह! तब तो चिड़िया को कहीं उड़कर नहीं जाना पड़ेगा।
नहीं, लेकिन चिड़िया को धूप भी लगती होगी और प्यास भी।
हाँ, हमें पानी की प्याली और थोड़े चावल भी रखने होंगे।
हमें घोंसले के ऊपर कपड़े की छत बना देनी चाहिए ।
देखो, मैं माँ की आँखों से बचकर मटके से चावल निकाल लाती हूँ।

मैं भी पत्थर की प्याली से तेल गिराकर साफ़ पानी भर लाया हूँ।
श्यामा,अब छाया करने के लिए कड़े वाली टोकरी उठा ला लेकिन माँ को मत बताना।
भैया, वह तो बीच में से फटी हुई है।उससे धूप कैसे रुकेगी?
तू टोकरी तो ला, मैं उसका छेद बंद करने की कोई तरकीब सोचता हूँ।
अभी फटाफट ले आती हूँ, भैया।
हाँ-हाँ। जल्दी ले आ।

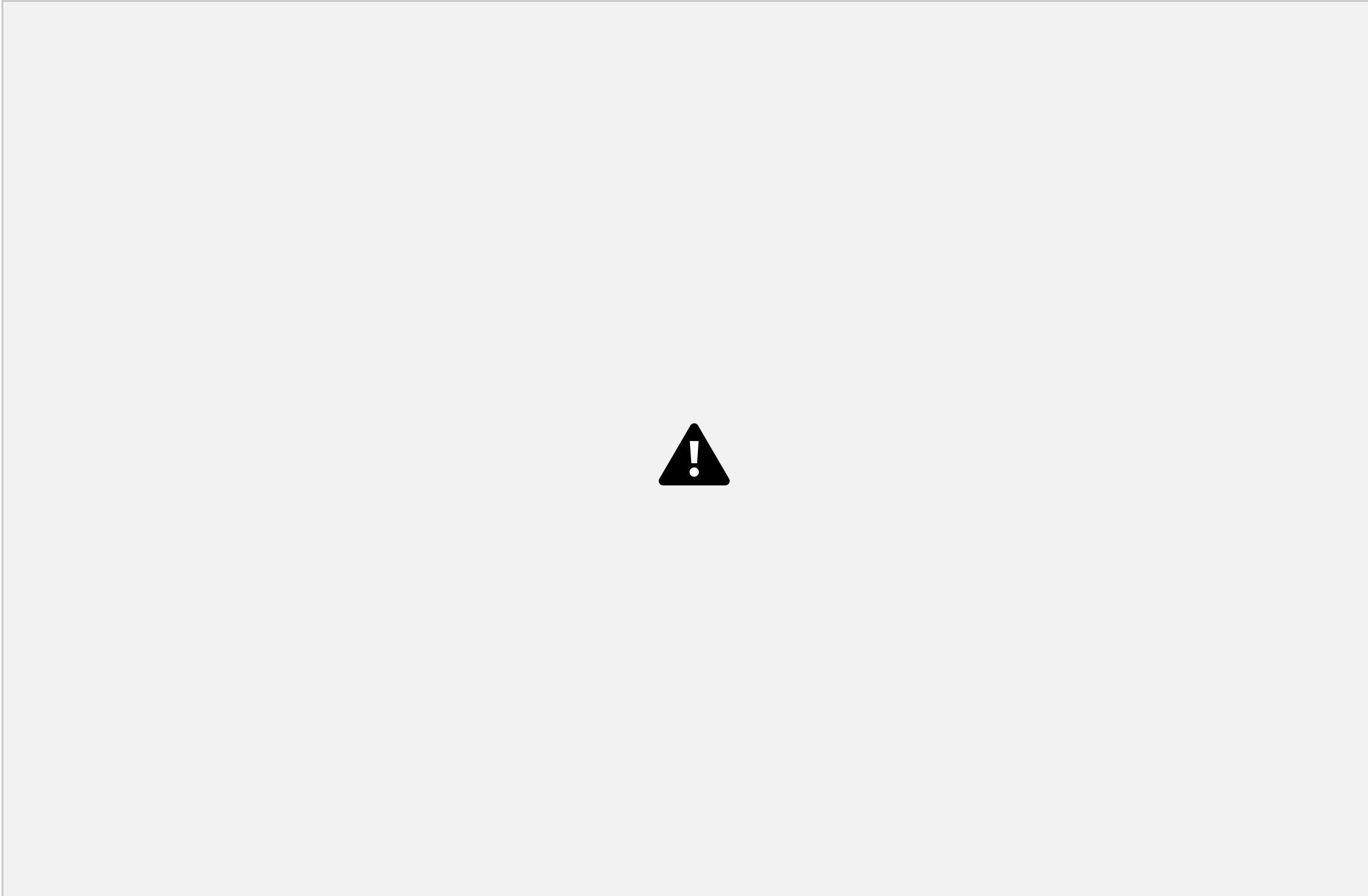

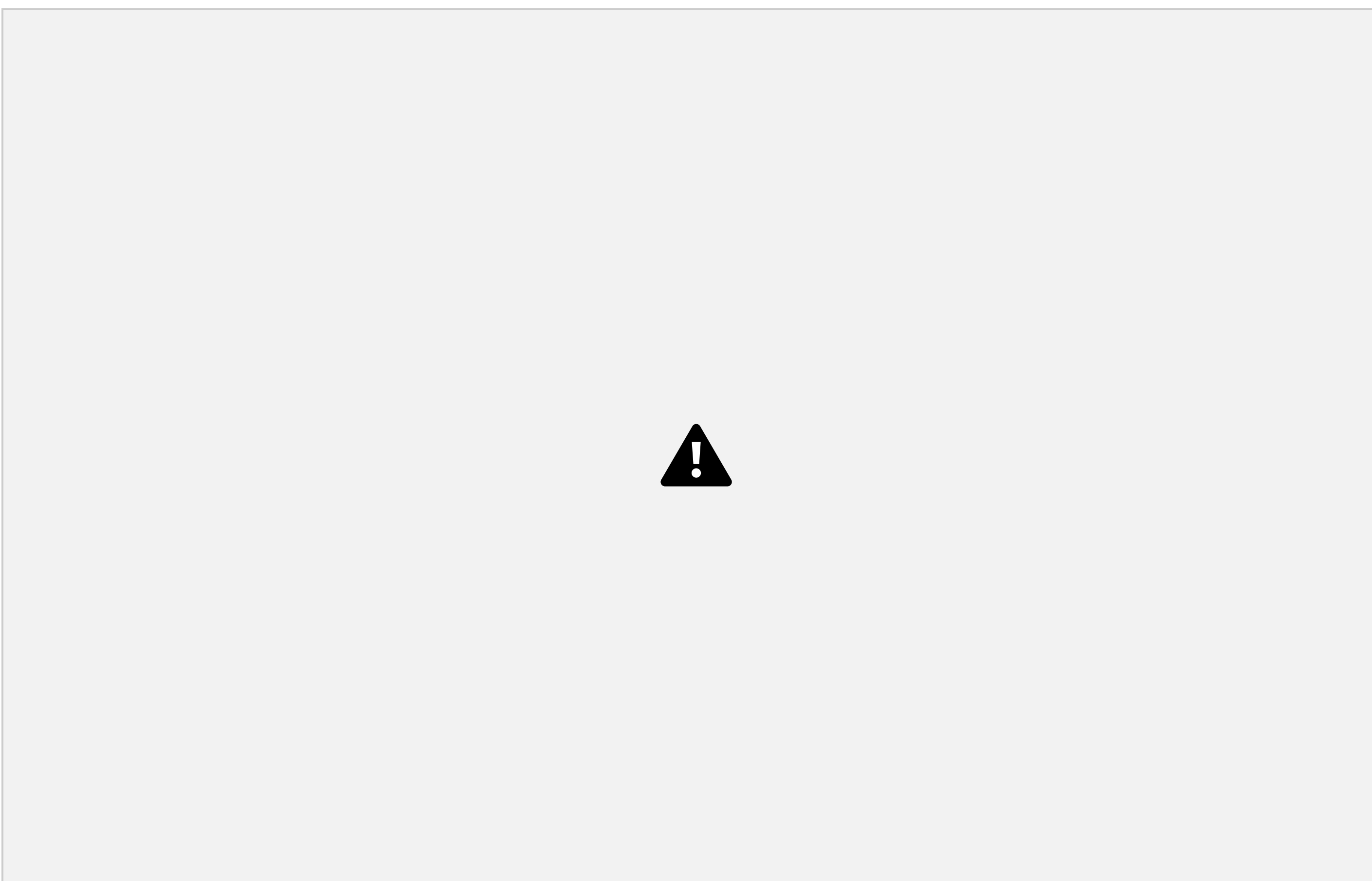

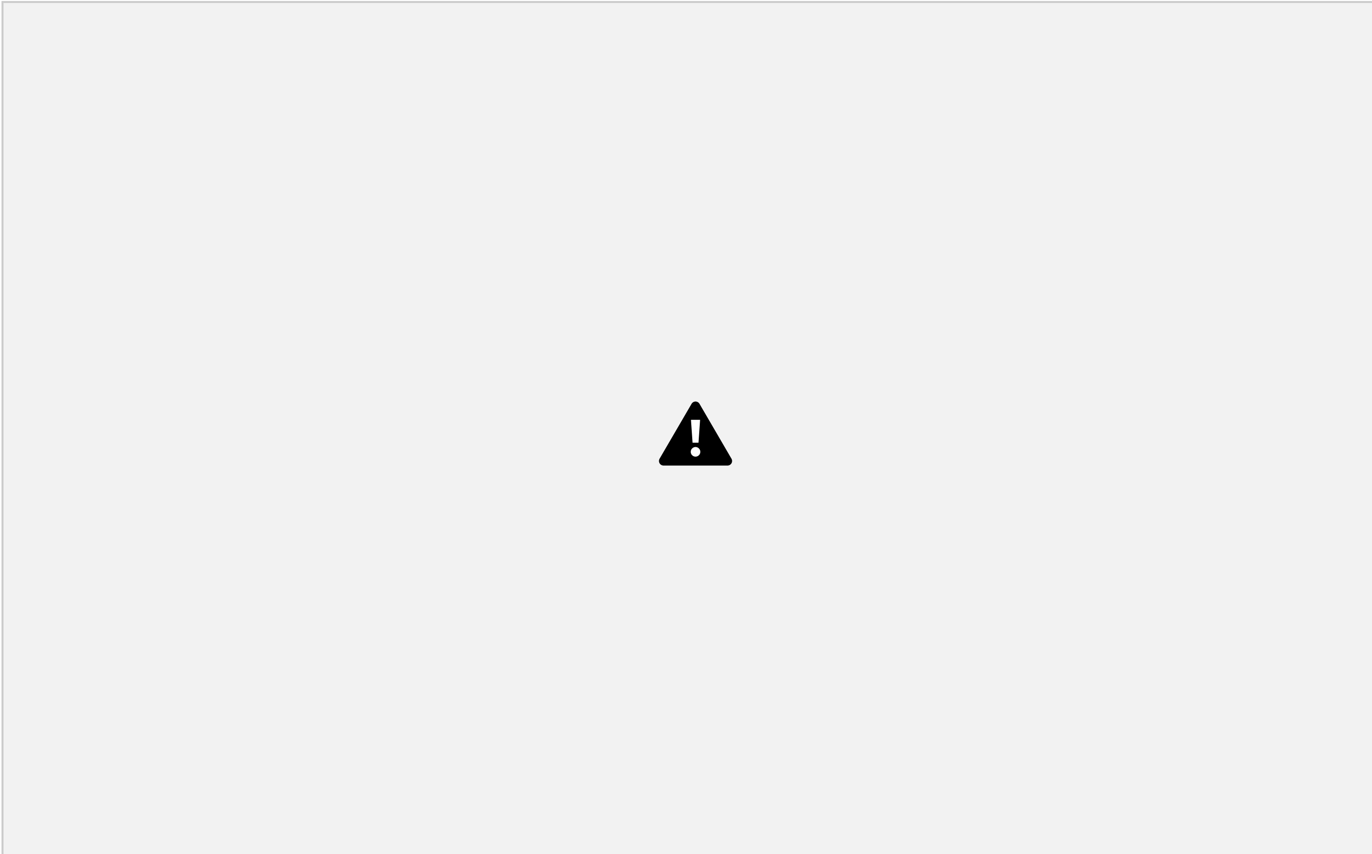

13

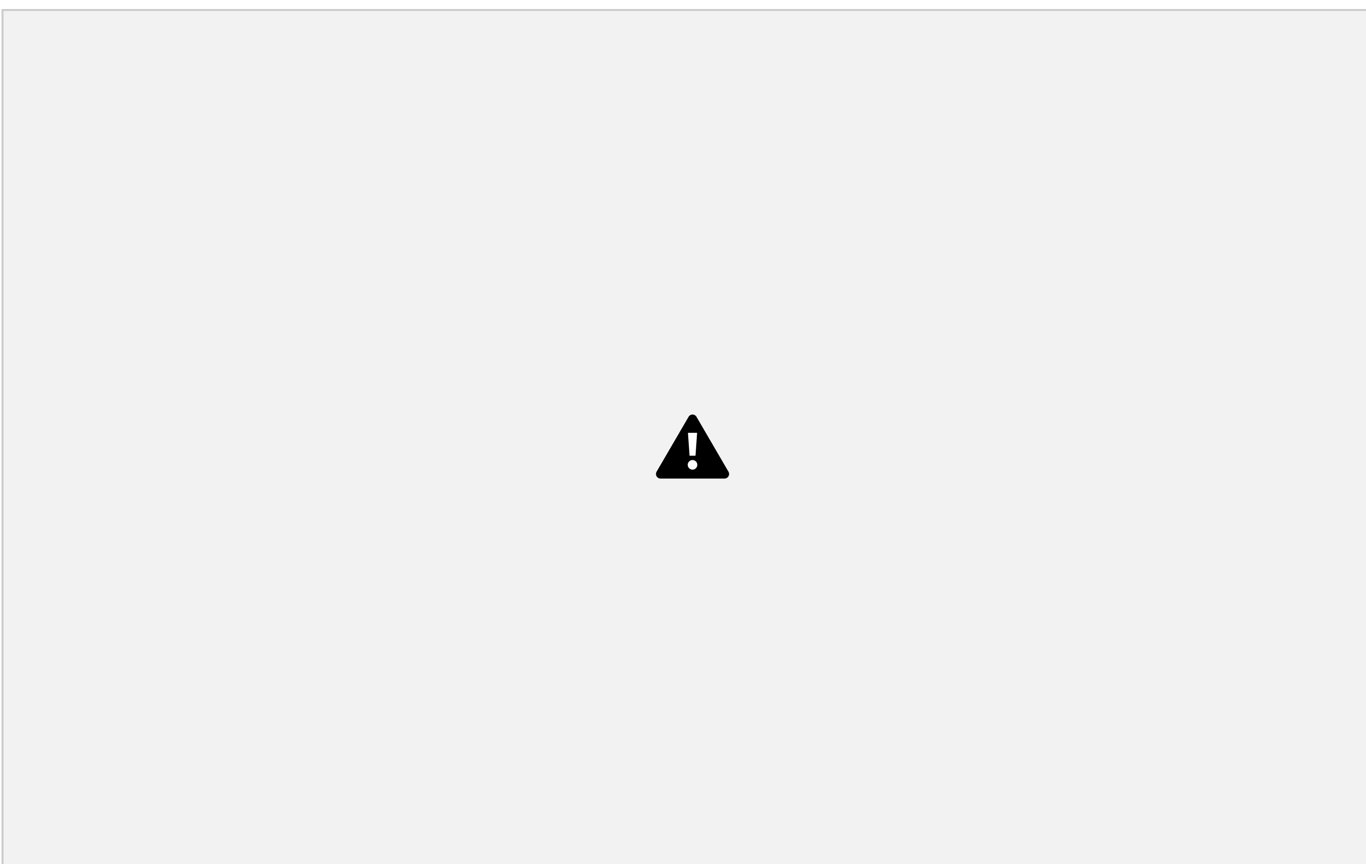

14

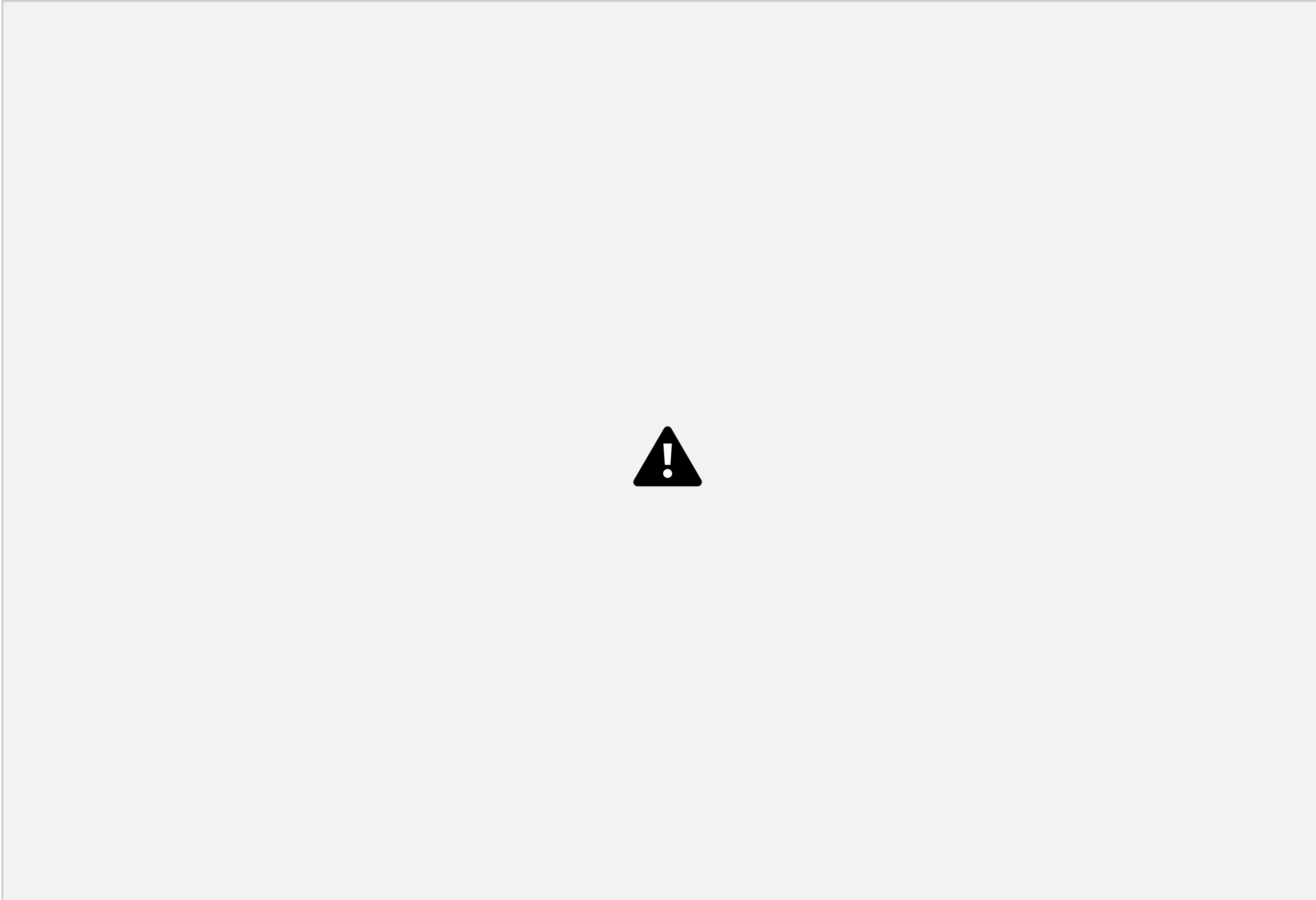

15

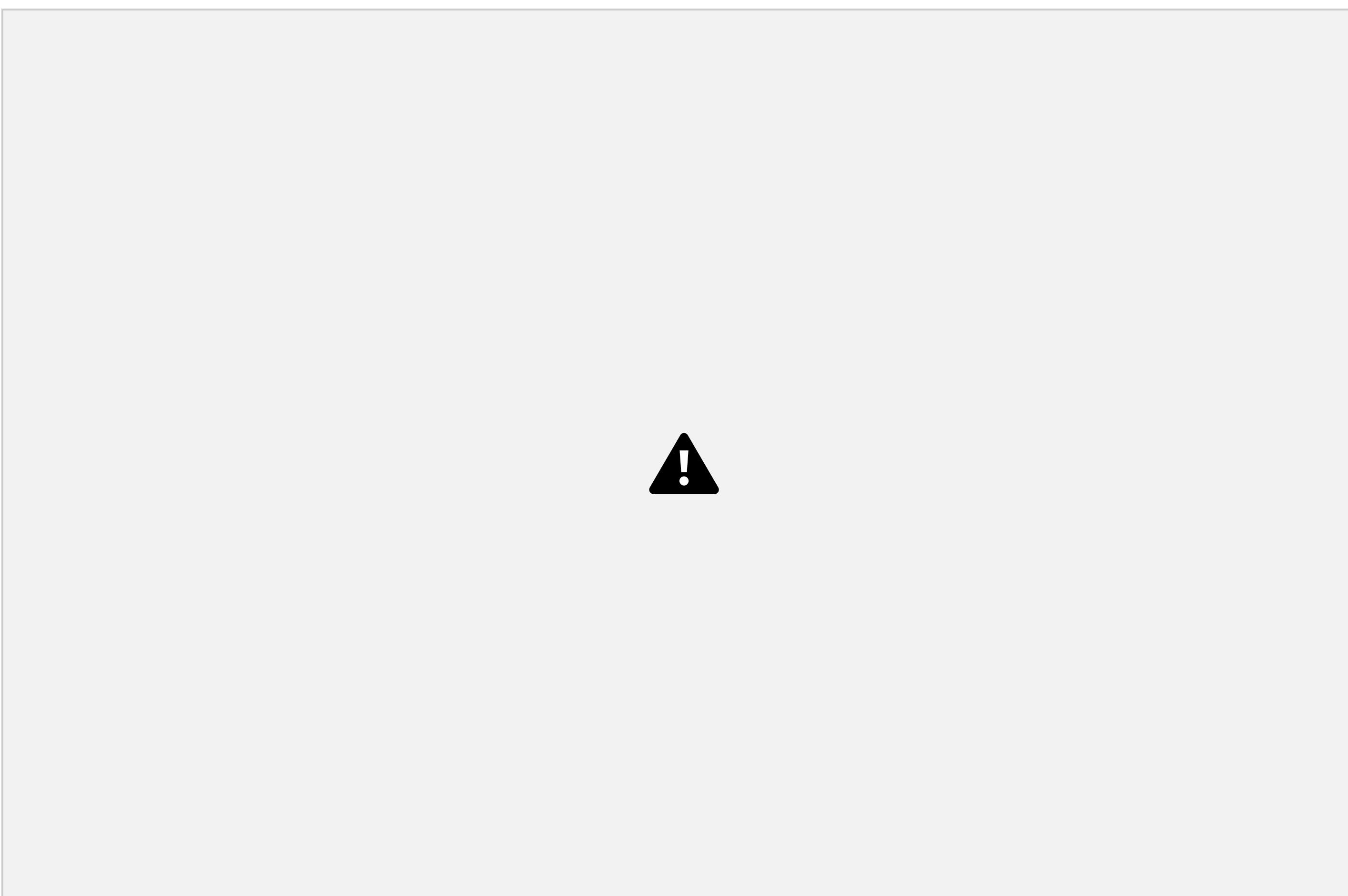

16

17

18

19

20

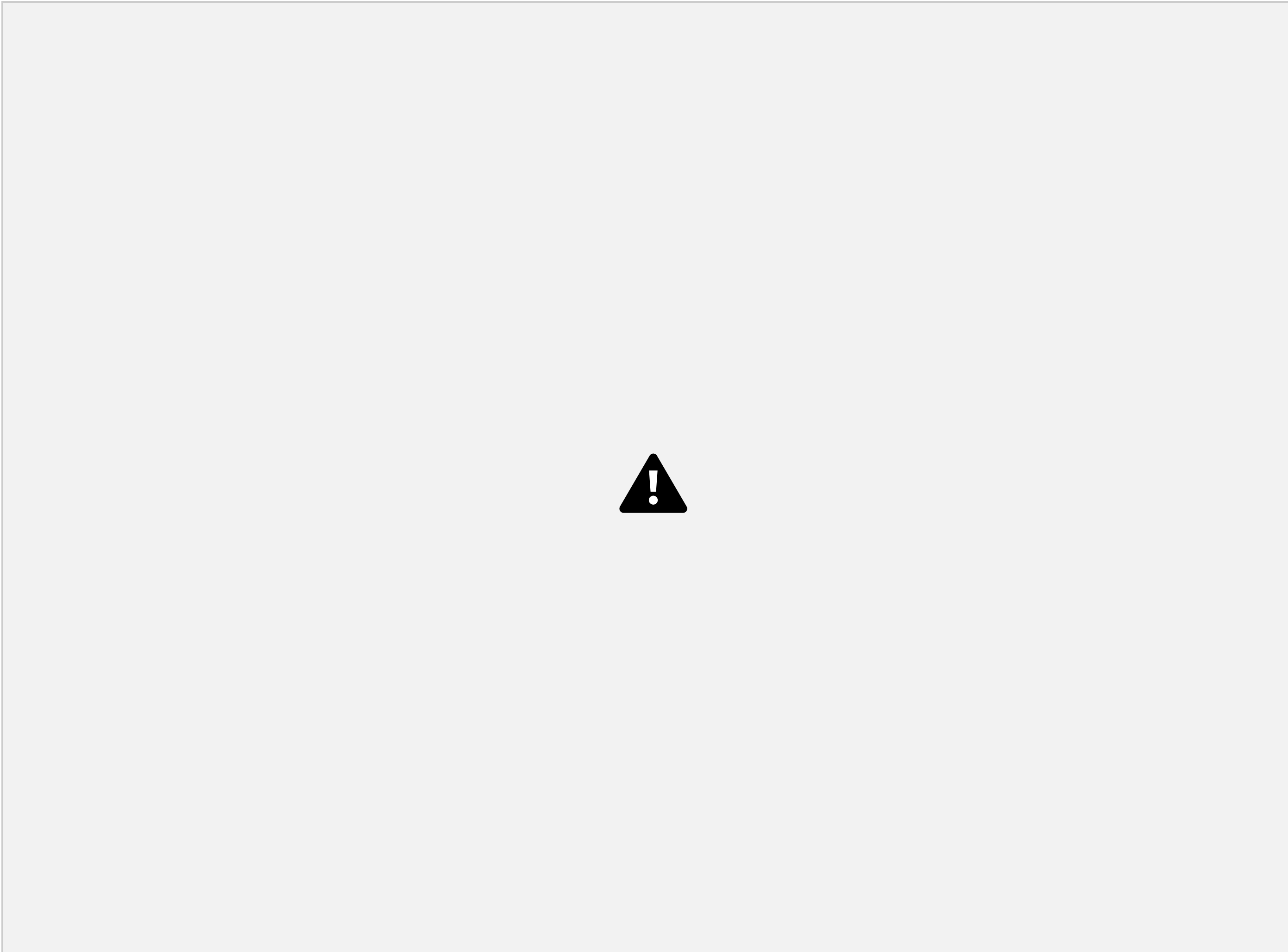

21

22

23

24